web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 13 मार्च 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 164

महत्वपूर्ण एवं खास

जम्मू-कश्मीर : सांबा में पाकिस्तानी झंडे वाला गुब्बारा मिला, हड़कंप मचा

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में बुधवार को अंरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के भारतीय हिस्से में पाकिस्तानी झंडे और नाम वाला एक गुब्बारा मिला। अधिकारियों ने बताया कि सांबा जिले के घगवाल सेक्टर के पलौना गांव में बुधवार सुबह एक संदिग्ध गुब्बारा मिलने से हडक़ंप मच गया। अधिकारियों ने बताया, गुब्बारे पर पाकिस्तान का नाम और झंडा था। यह गुब्बारा गांव की एक महिला को खेतों में मिला था। गुब्बारा मिलने के बाद महिला ने तुरंत स्थानीय लोगों और घगवाल पुलिस चौकी को इसकी सूचना दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर गुब्बारे को जब्त कर लिया। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है कि यह गुब्बारा कहां से आया और इसके पीछे कोई साजिश तो नहीं है। इससे पहले भी सीमावर्ती इलाकों में इस तरह के गुब्बारे मिलने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। सुरक्षा एजेंसियां इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही हैं। पाकिस्तान की आईएसआई की मदद से आतंकवादी संगठन जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बनाए रखने के लिए हथियार, गोला-बारूद, ड्रग्स और नकदी भेजने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन ड्रोनों को आतंकवादी या उनके ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) पहले से तय स्थानों से उठा लेते हैं। कई बार आतंकवादी संगठन अंतरराष्ट्रीय सीमा के नीचे सुरंग खोदते पाए गए हैं, ताकि घुसपैठ और हथियार पहुंचाने के लिए इन मार्गों का इस्तेमाल किया जा सके। जम्मू, सांबा और कठुआ जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा कर रहे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने ड्रोन रोधी तंत्र स्थापित किया है। इस तंत्र के कारण ही पिछले कुछ महीनों में ड्रोन देखे जाने और उतरने की घटनाओं में कमी आई है। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान के साथ 740 किलोमीटर लंबी नियंत्रण रेखा (एलओसी) और 480 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) है। एलओसी और आईबी दोनों पर आतंकवादी संगठनों द्वारा अक्सर ड्रोन का इस्तेमाल किया जाता है। भारतीय सेना एलओसी की सुरक्षा करती है, जबकि बीएसएफ जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करती है।

राष्ट्रपति ट्रंप के बदले तेवर, यूक्रेन को फिर दी जाएगी सैन्य मदद, इस काम के लिए देंगे इनाम

जेद्दा। अमेरिका ने मंगलवार को यूक्रेन को सैन्य सहायता प्रदान करने और खुफिया जानकारी साझा करने पर सहमति जताई। वाशिंगटन के 30-दिवसीय युद्ध विराम का समर्थन करने के बाद बाइडेन प्रशासन ने यह फैसला लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका अब रूस के समक्ष प्रस्ताव रखेगा, और गेंद मास्को के पाले में है। सऊदी अरब के जेद्दा में यूक्रेनी अधिकारियों के साथ आठ घंटे से अधिक समय तक चली बातचीत के बाद उन्होंने कहा, हमारी आशा है कि रूस जल्द से जल्द 'हां' में जवाब देगा, ताकि हम इस मामले के दूसरे चरण में पहुंच सकें, जो वास्तविक वार्ता है। रूस ने तीन साल पहले यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने का हमला किया था। मौजूदा हालात यह है कि रूस लगातार आगे बढ़ रहा है और अब तक यूक्रेन के लगभग पांचवें हिस्से पर कब्जा कर चुका है, जिसमें क्रीमिया भी शामिल है, जिसे उसने 2014 में अपने साथ मिला लिया था। रूबियो ने कहा कि वाशिंगटन रूस और यूक्रेन दोनों के साथ 'जितनी जल्दी हो सके' पूर्ण समझौता करना चाहता है। उन्होंने कहा, 'हर दिन यह युद्ध जारी रहता है, इस संघर्ष के दोनों पक्षों के लोग मरते हैं, घायल होते हैं' इससे पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कह चुके हैं कि वे शांति समझौते पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने और उनके राजनयिकों ने बार-बार कहा है कि वे युद्धविराम के खिलाफ हैं और इसकी जगह ऐसा समझौता चाहते हैं जो रूस की दीर्घकालिक सुरक्षा की रक्षा करे। पुतिन ने 20 जनवरी को अपनी सुरक्षा परिषद को बताया कि कोई अल्पकालिक युद्धविराम नहीं होना चाहिए, न ही संघर्ष को जारी रखने के उद्देश्य से सेनाओं को फिर से संगठित करने और पुन: शस्त्रीकरण के लिए किसी प्रकार की राहत होनी चाहिए, बल्कि दीर्घकालिक शांति होनी चाहिए। उन्होंने क्षेत्रीय रियायतों से भी इनकार किया और कहा कि यूक्रेन को रूस के नियंत्रण वाले चार यूक्रेनी क्षेत्रों से पूरी तरह से हट जाना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक प्रभावशाली रूसी सांसद ने बुधवार को कहा, समझौते की आवश्यकता की पूरी समझ के साथ कोई भी समझौता – लेकिन हमारी शर्तों पर, अमेरिकी शर्तों पर नहीं।

वायु सेना के 'अश्विनी' से लड़ाकू विमानों, यूएवी और हेलीकॉप्टर्स का चलेगा पता

नई दिल्ली । आरएनएस

भारतीय वायु सेना की क्षमता बढ़ाने के लिए रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को एक बड़ा सौदा किया। इस महत्वपूर्ण सौदे से भारतीय वायुसेना को अत्याधुनिक रडार सिस्टम (अश्विनी) हासिल होगा। 2,906 करोड़ रुपए की लागत वाला यह रडार सिस्टम नए जमाने के आधुनिक लड़ाकू जहाजों का पता लगाने में सक्षम है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि यह रडार सिस्टम स्वदेशी है। इसके आने पर भारतीय वायुसेना की विदेशी उपकरणों पर निर्भरता भी कम होगी। सरकार के देश की स्वदेशी रक्षा क्षमता को मजबूत करने के प्रयासों के तहत यह फैसला किया गया है।

रक्षा मंत्रालय ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) गाजियाबाद के साथ 2,906 करोड़ रुपए की लागत से लो-लेवल ट्रांसपोर्टेबल रडार (एलएलटीआर) 'अश्विनी' की खरीद का सौदा तय किया है। इसके लिए एक पूंजी अधिग्रहण समझौते पर हस्ताक्षर भी किए गए हैं। यह रडार डीआरडीओ के इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास प्रतिष्ठान द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है।

यह समझौता नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में साइन किया गया। एलएलटीआर (अश्विनी) एक एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन किया गया फेज्ड ऐरे रडार है, जो अत्याधुनिक सॉलिड-स्टेट ऑफ द आर्ट तकनीक पर आधारित है।

भारत का यह रडार उच्च गति वाले लड़ाकू विमानों को ट्रैक करने में सक्षम है। इतना ही नहीं, यह आधुनिक रडार सिस्टम धीमी गति से चलने वाले लक्ष्यों जैसे कि यूएवी और हेलीकॉप्टरों को भी ट्रैक करने में सक्षम है।

माना जा रहा है कि इस आधुनिक रडार के अधिग्रहण से भारतीय वायु सेना की परिचालन तत्परता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। यह निर्णय स्वदेशी रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस समझौते से विदेशी उपकरण निर्माताओं पर निर्भरता को कम करने में मदद मिलेगी। यह देश में रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा।

'अपार' आईडी न बनाने वाले मदरसों को चेतावनी, समय से काम पूरा न होने पर रद्द हो सकती है मान्यता

बाराबंकी । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में 38 मदरसों पर मान्यता खत्म होने की तलवार लटकी है। इन मदरसों की तरफ से 'अपार' आईडी बनवाने में लापरवाही की गई है। यह आईडी मदरसों के लिए अनिवार्य की गई है। विभाग की ओर से इनको मान्यता रद्द करने की चेतावनी दी गई है।

जिला अल्पसंख्यक अधिकारी बालेंदु द्विवेदी ने बताया कि अपार आईडी बनाने का काम पूरे प्रदेश में चल रहा है। रमजान में कुछ मदरसे बंद होते हैं। इस कारण यहां पर 'अपार' आईडी बनाने की प्रक्रिया कुछ धीमी है। उनको कई बार मौखिक रूप से चेतावनी दी गई। लापरवाही बरतने वाले 38 मदरसों को कड़ी चेतावनी दी गई हैं। समय पर कार्य पूरा न होने पर नोटिस दी गई है। अगर तय समय पर कार्य पूरा नहीं हुआ, तो मान्यता रद्द भी की जा सकती है।

जिला अल्पसंख्यक अधिकारी ने कहा कि चेतावनी के बाद मदरसा प्रबंधकों की ओर से काम में तेजी लाई गई है।

ज्ञात हो कि एक राष्ट्र एक विद्यार्थी की अवधारणा के साथ भारत सरकार ने प्री प्राइमरी से लेकर इंटर तक के सभी विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाने के निर्देश दिए हैं। जिले में जनवरी से ही 'अपार' आईडी बनाने का काम चल रहा है। एक माह पहले ही समीक्षा होने के बाद निजी व सरकारी स्कूलों को चेतावनी दी गई तो काम कुछ तेज हुआ, लेकिन मदरसों ने कोई तेजी नहीं दिखाई। इस वजह से वहां पर सख्त कदम उठाने की चेतावनी दी गई है।

पाक ट्रेन हाईजेक : 27 लड़ाके ढेर, 30 जवानों के मारे जाने का दावा

क्वेटा

पाकिस्तान में अलगाववादी उग्रवादियों ने मंगलवार को सैकड़ों यात्रियों को ले जा रही एक यात्री ट्रेन पर गोलीबारी की। जाफर एक्सप्रेस की नौ बोगियों में लगभग 400 यात्री सवार थे। यह ट्रेन दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा से खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर जा रही थी, तभी उस पर गोलीबारी की गई। बलूचिस्तान में विद्रोहियों ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को ही बंधक बना रखा है। सेना ने दावा किया है कि 27 लड़ाकों को मार गिराया है, वहीं बीएलए ने कहा कि हमारा कोई भी आदमी नहीं मारा गया है। पाक सेना के 30 जवानों की मौत हुई है।

डॉन अखबार के अनुसार अब तक कितने बंधकों को विद्रोहियों ने मारा है। इसकी भी जानकारी नहीं है, लेकिन अधिकारियों के अनुसार ड्राइवर समेत कई लोग मारे जा चुके हैं। वहीं एक दर्जन से ज्यादा सुरक्षाकर्मियों को भी विद्रोहियों ने मार डाला है।

डॉन ने भी लिखा है कि जिन 104 लोगों के छूटने की जानकारी मिली है, उन्हें विद्रोहियों ने खुद रिहा किया है या फिर सेना के ऐक्शन से ऐसा हुआ है। यह साफ नहीं है। पाकिस्तान के गृह राज्य मंत्री तलाल चौधरी का कहना है कि ट्रेन में मौजूद बंधकों को छुड़ाना इसलिए भी मुश्किल हो रहा है क्योंकि विद्रोही लोगों को ह्यूमन शील्ड के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षाकर्मी फायरिंग करने से बच रहे हैं क्योंकि इससे आम नागरिक भी मारे जा सकते हैं।

बिहार में पिता ने 4 बच्चों को दूध में दिया जहर, 3 की तड़प-तड़प कर मौत

आरा । आरएनएस

बिहार के आरा जिले से एक दुखद घटना सामने आई है, जहां एक पिता ने अपने चार बच्चों को जहर देकर मारने के बाद खुद भी जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। इस हृदयविदारक घटना में तीन बच्चों की मौत हो गई, जबकि पिता और एक अन्य बच्चे का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह घटना आरा जिले में मंगलवार रात को घटी। मृतक बच्चों की पहचान और उम्र अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। पुलिस के अनुसार, अरविंद कुमार नामक व्यक्ति ने अपने बच्चों को दूध में जहर मिलाकर पिला दिया, और फिर स्वयं भी जहर का सेवन कर लिया।

घटना में जीवित बचे बच्चे, आदर्श, ने बताया कि उनकी मां का देहांत आठ महीने पहले बीमारी के कारण हो गया था, जिसके बाद से उनके पिता गहरे अवसाद में थे। अरविंद कुमार बेनवलिया बाजार में एक छोटी सी इलेक्ट्रॉनिक की दुकान चलाते थे, जिससे वे अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे।

आदर्श ने आगे बताया कि मंगलवार की रात उनके पिता ने उन्हें पसंदीदा भोजन पूरी खिलाया और फिर सभी को दूध दिया, जिसे पीने के बाद उन्हें उल्टी और पेट दर्द शुरू हो गया। घर में कोई और मौजूद नहीं था और वे असहाय होकर कमरे में ही तड़पते रहे। काफी देर बाद दरवाजा खुलने पर उन्हें और उनके पिता को इलाज के लिए आरा के सदर अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान दो बेटियों और एक बेटे ने दम तोड़ दिया।

ग्रामीण गुप्तेश्वर प्रसाद ने बताया कि गांव के कई लोग पड़ोस में एक बारात में शामिल होने गए थे, और उसी दौरान अरविंद के भतीजे ने फोन पर घटना की जानकारी दी।

डॉक्टर शिव नारायण सिंह, जो सदर अस्पताल में ऑन ड्यूटी थे, ने बताया कि मरीजों को अस्पताल लाए जाने पर उनकी आंख की पुतलियाँ सूजी हुई थीं, और उनमें उल्टी, पेट दर्द और शरीर में दर्द के लक्षण थे। उन्होंने बताया कि मरीजों के मुंह और नाक से झाग निकल रहा था, और अभी यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि उन्होंने किस प्रकार के जहर का सेवन किया था। डॉक्टर सिंह ने बताया कि मरीजों का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम की निगरानी में चल रहा है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। प्रारंभिक जांच में पत्नी की मृत्यु के बाद अरविंद कुमार के अवसाद में होने की बात सामने आ रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस के राष्ट्रपति और प्रथम महिला को ओसीआई कार्ड सौंपे

पोर्ट लुईस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मॉरीशस की अपनी यात्रा के पहले दिन विशेष सम्मान दिखाते हुए राष्ट्रपति धरमबीर गोखूल और प्रथम महिला वृंदा गोखूल को ओसीआई (विदेशी भारतीय नागरिक) कार्ड सौंपे।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्टेट हाउस में राष्ट्रपति गोखूल से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत और मॉरीशस के बीच विशेष और घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक प्रधानमंत्री ने कहा कि मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में दूसरी बार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना उनके लिए सम्मान की बात है।

प्रधानमंत्री ने भारत सरकार के सहयोग से स्थापित स्टेट हाउस में आयुर्वेद गार्डन का भी दौरा किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद सहित पारंपरिक चिकित्सा के लाभों को आगे बढ़ाने में मॉरीशस भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है।

वार्ता के बाद राष्ट्रपति गोखूल ने प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में राजकीय भोज का आयोजन किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति धरम गोखूल को महाकुंभ का पवित्र गंगा जल भेंट किया। यह कुंभ 26 फरवरी को संपन्न हुआ और इसमें 660 मिलियन से अधिक तीर्थयात्री त्रिवेणी संगम प्रयागराज में एकत्र हुए, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा मानव समागम बन गया।

इससे पहले, पीएम मोदी ने पोर्ट लुइस में सर शिवसागर रामगुलाम बॉटनिकल गार्डन में मॉरीशस के पहले प्रधानमंत्री और संस्थापक पिता सर शिवसागर रामगुलाम को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने मॉरीशस के पूर्व राष्ट्रपति और पूर्व प्रधानमंत्री सर अनिरुद्ध जगन्नाथ को भी श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने एक्स पर लिखा, मैंने मॉरीशस की प्रगति में अमिट योगदान देने वाले दो महान नेताओं सर शिवसागर रामगुलाम और सर अनिरुद्ध जगन्नाथ को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ मिलकर एक पौधा भी लगाया। उन्होंने कहा, प्रकृति, मातृत्व और स्थिरता को समर्पित 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम में भाग लेने के लिए मेरे मित्र प्रधानमंत्री डॉ. नवीन रामगुलाम के हार्दिक भाव से अभिभूत हूं। उनका समर्थन हरियाली और बेहतर भविष्य के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

पीएम मोदी दो दिवसीय मॉरीशस यात्रा पर मंगलवार को पोर्ट लुईस पहुंचे। सर शिवसागर रामगुलाम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने पीएम मोदी का माला पहनाकर स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को देश के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। भारतीय नौसेना के एक जहाज के साथ भारतीय रक्षा बलों की एक टुकड़ी भी समारोह में भाग लेगी।

यह प्रधानमंत्री मोदी की 2015 के बाद पहली मॉरीशस यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी की वर्तमान यात्रा से विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

मैहर में सड़क हादसा : ट्रक ने बाइक सवार को उड़ाया, 2 की मौत, 1 घायल

मैहर । आरएनएस

मध्य प्रदेश के मैहर जिले के कैथहा गांव में एक दर्दनाक सडक़ हादसा हुआ. एक छोटे ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि एक की हालत गंभीर बताई जा रही है. हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोडक़र भाग गया. मालूम हो कि हादसा इतना भयानक था कि बचने का मौका नहीं मिला. चश्मदीदों की मानें तो टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवारों को संभलने का कोई मौका नहीं मिला. घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई. स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी.

पुलिस ने ट्रक जब्त कर जांच शुरू की- सूचना मिलते ही रामनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश जारी है. मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है. पुलिस हादसे की वजह भी जानने की कोशिश कर रही है.

गौरतलब है कि बीते दिन भी मैहर ज़िले में अजीबोगरीब हादसा हो गया था. जहां एक घर में अचानक आग लग गई थी. आग कैसे लगी किसी को भी नहीं पता लेकिन हादसे में एक साल के बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई. बच्चा घर के अंदर सो रहा था तभी अचानक से आग लग गई और इसी बीच वह झुलस गया और मौके पर दम तोड़ दिया.

दक्षिणी तमिलनाडु में भारी बारिश के आसार, ऑरेंज अलर्ट जारी

चेन्नई । आरएनएस

मौसम विभाग ने दक्षिणी तमिलनाडु के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने बुधवार को बताया कि दक्षिणी तमिलनाडु में भारी बारिश के आसार हैं।

बारिश का कारण बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र है, जो तमिलनाडु के तट के पास है और समुद्र से 1.5 किमी ऊपर तक फैला हुआ है। इसके चलते, कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली और थूथुकुडी जिलों में भारी बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों के साथ-साथ तेनकासी जिले में भी भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। साथ ही चक्रवाती तूफान के खतरे के कारण मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। इसके अलावा, तमिलनाडु और पुडुचेरी में बादल छाए रहने की संभावना जताई गई है। इस दौरान चेन्नई और उसके आसपास के इलाकों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और शहर के कुछ हिस्सों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश और बिजली गिरने की भी संभावना है।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) द्वारा जारी ऑरेंज अलर्ट के बाद मंगलवार को तमिलनाडु में भारी बारिश हुई थी, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ, जबकि दालों, मूंगफली और मक्का जैसी गर्मियों की फसलों को लाभ भी हुआ है।

मंगलवार को डेल्टा क्षेत्र में भारी बारिश हुई थी, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। हालांकि, क्षेत्र के किसान बारिश से खुश हैं और उनका दावा है कि इससे फसलों को लाभ मिलेगा। मंगलवार सुबह 11 बजे शुरू हुई बारिश देर शाम तक जारी रही, जबकि तिरुचिरापल्ली, तंजावुर, पेरम्बलुर और अरियालुर जैसे जिलों में मध्यम बारिश हुई। इसके अलावा तिरुवरुर, मयिलादुथुराई और नागपट्टिनम में पूरे दिन भारी बारिश दर्ज की गई।

तिरुचिरापल्ली में शाम 4 बजे तक औसतन 17.49 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो बाद में रात 8 बजे तक घटकर 15.18 मिमी रह गई। हालांकि, दोपहर में बारिश हल्की हुई थी, लेकिन शाम को यह और भी तेज हो गई, जिससे कई इलाकों में जलभराव हो गया।

तंजावुर जिले में औसतन 17.45 मिमी बारिश हुई, लेकिन कोई खास नुकसान नहीं हुआ।

वहीं, तिरुवरुर शहर में सुबह से शाम 6 बजे के बीच सबसे अधिक 78.5 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई, जबकि कोडावसल में 59 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

इसके अलावा, माइलादुथुराई जिले में पूरे दिन लगातार बारिश हुई। माइलादुथुराई में 23 मिमी, मनलमेडु में 30 मिमी और सेम्बनारकोइल में 25 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

हालांकि, भारी बारिश के बावजूद कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। किसानों ने आशा व्यक्त की है कि बारिश से उनकी खेती में मदद मिलेगी। खासकर ग्रीष्मकालीन धान और दालों, मूंगफली और मक्का जैसी मनावरी फसलों के लिए।

मौसम विभाग ने दक्षिणी तमिलनाडु में भारी बारिश को लेकर स्थानीय निवासियों और अधिकारियों को सतर्क रहने की सलाह दी है। इसके साथ ही ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है और प्रभावित जिलों के लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है।